वल्लभाब्द ५४०	चैत्र शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७५

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	18	मार्च, सनू २०१८ संवत्सरोत्सवः। इष्टिः।
२	सोम	19	
३	मंगल	20	गणगौरी। (चूंदड़ी गणगौर)
४	बुध	21	पंचरंगी लहरियाँ (हरिगणगौर)
५	गुरु	22	गुलाबी गणगौर
६	शुक्र	23	श्री गुसांईजी के छट्टेलालजी श्री यदुनाथजी को उत्सव। (१६१५) केसरी गणगौर एवं यमुना छह।
७	शनि	24	
८	रवि	25	रामनवमी व्रतम्।
१०	सोम	26	रामनवमी व्रत की पारणा।
११	मंगल	27	कामदा एकादशी व्रतम्। श्री वल्लभाचार्य चरण के उत्सव की बधाई।
१२	बुध	28	
१३	गुरु	29	
१४	शुक्र	30	
१५	शनि	31	

वल्लभाब्द ५४०	वैशाख (गु.चैत्र) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७५

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	1	अप्रेल, इष्टिः।
२	सोम	2	
३	मंगल	3	
४	बुध	4	
५	गुरु	5	
६	शुक्र	6	
७	शनि	7	श्री विट्ठलनाथजी को पाटोत्सवः।
८	रवि	8	
९	सोम	9	
१०	मंगल	10	पांच स्वरूप को उत्सव नित्य लीलास्थ गोस्वामि तिलकायित श्री १०८ श्री गोवर्द्धनलालजी महाराज कृत।
१०	बुध	11	
११	गुरु	12	वरूथिनी एकादशी व्रतम्। श्री वल्लभाचार्यजी (श्री महाप्रभुजी) को उत्सव। (१५३५) श्री वल्लभाब्द ५४१ को प्रारम्भ।
१२	शुक्र	13	
१३	शनि	14	मेष संक्रान्ति। सतुआ, गोपीवल्लभ या राजभोग में, पुण्यकाल सूर्योदय से लेकर मध्याह्न पर्यन्त है। तामे भी संक्रान्ति के पास के २ घण्टा अति मुख्य पुण्यकाल । अब के यह संक्रान्ति १३ शनि कूं प्रातः ८ बजके १४ मिनिट पर बैठे है। ता सूं पुण्यकाल आज मान्यो जायगो। श्री कूं भोग धरे पीछे दान श्राद्धादि करने।
१४	रवि	15	
३०	सोम	16	सोमवती अमावस प्रातः ७ बजके २८ मिनिट तक। इष्टिः।

वल्लभाब्द ५४१	वैशाख शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७५

तिथि	वार	दि.	उत्सव
२	मंगल	17	
३	बुध	18	अक्षय तृतीया चन्दन यात्रा त्रेतायुगादि जलकुम्भदानम्।
४	गुरु	19	
५	शुक्र	20	
६	शनि	21	
७	रवि	22	तिलकायित श्री लालगिरधारीजी महाराज को उत्सव (१९९०)
८	सोम	23	
९	मंगल	24	
१०	बुध	25	
११	गुरु	26	मोहिनी एकादशी व्रतम् ।
१२	शुक्र	27	
१३	शनि	28	
१४	रवि	29	श्री नृसिंह जयन्ती व्रतम्।
१५	सोम	30	इष्टिः।

वल्लभाब्द ५४१	ज्येष्ठ (गु. वैशाख) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७५

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	मंगल	1	मई।
२	बुध	2	चार स्वरूप को उत्सव ति. श्री दाऊजी महाराज कृत।
३	गुरु	3	कली के शृंगार को आरम्भ।
४	शुक्र	4	
५	शनि	5	
६	रवि	6	
७	सोम	7	
८	मंगल	8	
९	बुध	9	
१०	गुरु	10	
११	शुक्र	11	अपरा एकादशी व्रतम्।
१२	शनि	12	
१३	रवि	13	
१४	सोम	14	
३०	मंगल	15	

वल्लभाब्द ५४१ **अधिक ज्येष्ठ शुक्लपक्षः** विक्रमाब्द २०७५

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	बुध	16	इष्टिः। पुरुषोत्तम मास को आरम्भः काँस्य के पात्र में ३३ पूआ अथवा पक्वान्न भोग धर के वा को प्रतिदिवस दान या मास में प्रशस्त है: नित्य न बने तो हूं प्रथम दिवस तथा आगे द्वादशी में लिखे ५ पर्वन में अवश्य करनो दान को संकल्प एवं श्लोक पृष्ठ २८-२९ पर लिखे है। पुरुषोत्तम मास सम्बन्धी भोग स्नान दानादि नियमन को आरम्भ या मास में नित्य सेवा को विशेष नियम तथा भगवान्नाम जप गीता भागवतादिकन के पाट यथाशक्ति ब्राह्मण भोजन गोपूजनादि जो बन सके तो कछू भी सत्कृत्य नित्य अवश्य करनो।
२	गुरु	17	
३	शुक्र	18	
४	शनि	19	
५	रवि	20	
६	सोम	21	
७	मंगल	22	
८	बुध	23	
९०	गुरु	24	
११	शुक्र	25	कमला एकादशी व्रतमु दोनों एकादशी में नित्य पात्रदान दूध घर की अथवा फलाहार की वस्तु सूं करनो चाहिये: दान नित्य न बन राके तो हूं दोऊ द्वादशी पूर्णिमा अमावस्या व्यतीपात इन पांच पर्वन में अवश्य ही करनो: इन पर्वन में गोपूजन को बड़ो ही फल है: आज सूं लेके अधिक ज्येष्ठ कृष्ण ९ शुक्र तक सूर्य कू रोहिणी नक्षत्र है तासुं इन दिनन में श्री के अंग में चन्दन धरावनो प्रशस्त है।
१२	शनि	26	या दिन व्यतीपात भी है तासूं कछू भी भोग में विशेष धरनो तथा थोड़ो बहुत कछू भी दान ब्राह्मण भोजन यथाशक्ति करनो।
१३	रवि	27	
१४	सोम	28	
१५	मंगल	29	पुण्य दिनमु।

वल्लभाब्द ५४१ **अधिक ज्येष्ठ कृष्णपक्षः** विक्रमाब्द २०७५

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	बुध	30	इष्टिः।
२	गुरु	31	
३	शुक्र	1	जून
४	शनि	2	
५	रवि	3	
५	सोम	4	
६	मंगल	5	या दिन वैधृति है तासूं ये भी अति पुण्य को समय है तासूं कछू भी श्री के मनोरथ दानादि यथाशक्ति करनो।
७	बुध	6	
८	गुरु	7	
९	शुक्र	8	
१०	शनि	9	
११	रवि	10	कमला एकादशी व्रतमु।
१२	सोम	11	
१३	मंगल	12	
३०	बुध	13	पुण्यदिनमु। पुरुषोत्तम मास के नियम की समाप्तिः।

वल्लभाब्द ५४१	निज ज्येष्ठ शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७५

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	गुरु	14	इष्टिः।
२	शुक्र	15	
३	शनि	16	
४	रवि	17	
५	सोम	18	श्री के नाव को मनोरथ।
६	मंगल	19	
८	बुध	20	
९	गुरु	21	
१०	शुक्र	22	श्री गंगादशमी दशहरा श्री यमुनाजी को उत्सव माने है।
११	शनि	23	निर्जला एकादशी व्रतम्।
१२	रवि	24	
१३	सोम	25	तिलकायित श्री गिरधारीजी महाराज को उत्सव। (१९००)
१३	मंगल	26	स्नान को जल भरनो सांझ कूं जल को अधिवासन करनो।
१४	बुध	27	ज्येष्ठाभिषेक (स्नान यात्रा)
१५	गुरु	28	इष्टिः।

वल्लभाब्द ५४१	आषाढ़ (गु. ज्येष्ठ) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७५

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शुक्र	29	
२	शनि	30	
३	रवि	1	जुलाई
४	सोम	2	
५	मंगल	3	
६	बुध	4	
७	गुरु	5	
८	शुक्र	6	
९	शनि	7	
१०	रवि	8	
११	सोम	9	योगिनी एकादशी व्रतम्।
१२	मंगल	10	
१३	बुध	11	
१४	गुरु	12	
३०	शुक्र	13	इष्टिः। तिलकायित बड़े श्री गिरिधारीजी महाराज को उत्सव (१८२५)।

वल्लभाब्द ५४१	आषाढ़ शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७५

तिथि	वार	दि.	उत्सव
२	शनि	14	रथयात्रा।
३	रवि	15	
४	सोम	16	
५	मंगल	17	श्री द्वारकाधीश जी को पाटोत्सवः।
६	बुध	18	कसूंभा छट। षष्ठी षण्डगू। तिलकायित श्री गोविन्दजी महाराज गादी बिराजे सो उत्सव तथा तिलकायित **श्री इन्द्रदमन जी (श्री राकेश जी)** महाराज गादी बिराजे (२०५७)
७	गुरु	19	
८	शुक्र	20	
९	शनि	21	
१०	रवि	22	बैंगन दशमी।
११	सोम	23	देवशयनी एकादशी व्रतम्। चातुर्मास्य नियमारम्भः। कली के शृंगार पूर्ण।
१२	मंगल	24	
१३	बुध	25	
१४	गुरु	26	
१५	शुक्र	27	पर्वात्मक उत्सव चातुर्मास्य नियमारम्भः। एकादशी कूं न भयो होय तो द्वादशी अथवा पूर्णिमा के दिन करनो तामे पूर्णिमा मुख्य। खग्रास चन्द्रग्रहण ताको निर्णय पृष्ट (२९-३०) पर लिख्यो है।

वल्लभाब्द ५४१	श्रावण (शु. आषाढ़) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७५

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शनि	28	इष्टिः। हिन्दोलारम्भः।
२	रवि	29	
२	सोम	30	
३	मंगल	31	
४	बुध	1	अगस्त, श्री चन्द्रमा जी को पाटोत्सवः।
५	गुरु	2	
६	शुक्र	3	
७	शनि	4	
८	रवि	5	जन्माष्टमी की बधाई।
९	सोम	6	
१०	मंगल	7	तिलकायित श्री गोवर्द्धनेश जी महाराज को उत्सव' हाण्डी उत्सव (१७६३)।
१२	बुध	8	कामिका एकादशी व्रतम्।
१३	गुरु	9	
१४	शुक्र	10	
३०	शनि	11	हरियाली अमावस।

वल्लभाब्द ५४१	श्रावण शुक्लपक्षः		विक्रमाब्द २०७५
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	12	इष्टिः।
२	सोम	13	ठकुरानी तीज मधुस्रवा। तीज का क्षय होयवे सूं आज।
४	मंगल	14	
५	बुध	15	नाग पंचमीः
६	गुरु	16	
७	शुक्र	17	
८	शनि	18	
९	रवि	19	सात स्वरूप को उत्सव। नित्य लीलास्थ गोस्वामी तिलकायित १०८ श्री गोविन्दलालजी महाराज कृत।
१०	सोम	20	
११	मंगल	21	
११	बुध	22	पुत्रदा एकादशी व्रतम्। पवित्रारोपणं प्रातः शृंगार में ७ बजके ४२ मिनिट पश्चात् याही दिन सात स्वरूप कूं पवित्रा धरायवे को विशेष उत्सव। नित्य लीलास्थ गोस्वामी तिलकायित १०८ श्री गोविन्दलाल जी महाराज कृत।
१२	गुरु	23	गुरुन कूं पवित्रा धरावनेः
१३	शुक्र	24	
१४	शनि	25	श्री विट्ठलेशराय जी महाराज को उत्सव (१६४७)। ऋग्वेदीन की श्रावणी।
१५	रवि	26	रक्षाबन्धनं स्वयं उत्थापन में ५ बजके २७ मिनिट पूर्व गुसांई जी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गिरधर जी के लालजी श्री दामोदरजी महाराज को उत्सव (१६३२) आपस्तम्ब हिरण्य केशीय बोधायन काण्व माध्यन्दिन प्रभृति, सर्व यजुर्वेदीन तथा अथर्ववेदीन की श्रावणी।

वल्लभाब्द ५४१	भाद्रपद (गु. श्रावण) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७५
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	27	इष्टिः। गोस्वामि तिलकायित श्री १०८ श्री गोवर्द्धनलालजी महाराज को उत्सव (१९७७) हेम हिन्दोला।
२	मंगल	28	हिन्दोला विजय
३	बुध	29	कज्जली तीज
४	गुरु	30	
५	शुक्र	31	
६	शनि	1	सितम्बर
७	रवि	2	शयन में षष्ठी को उत्सव। विष्णुस्वामि प्राकट्योत्सव।
८	सोम	3	जन्माष्टमी व्रतम्।
९	मंगल	4	नन्द महोत्सव।
१०	बुध	5	
११	गुरु	6	अजा एकादशी व्रतम्।
१२	शुक्र	7	
१४	शनि	8	काका वल्लभजी को उत्सव (१७०३)।
३०	रवि	9	कुशग्रहणी अमावस।

वल्लभाब्द ५४१	भाद्रपद शुक्लपक्ष	विक्रमाब्द २०७५	
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	10	इष्टिः। राधाष्टमी की बधाई।
२	मंगल	11	सामवेदीन की श्रावणी।
३	बुध	12	
४	गुरु	13	गणेश चतुर्थी।
५	शुक्र	14	ऋषि पंचमी। द्वितीय स्वरूपोत्सवः
६	शनि	15	ति. श्री विट्ठलेशजी महाराज को उत्सव (१७४४)।
७	रवि	16	
८	सोम	17	राधाष्टमी
९	मंगल	18	
१०	बुध	19	
११	गुरु	20	परिवर्तिनी एकादशी व्रतम् (दान एकादशी) नवलक्ष ग्रंथकर्त्ता श्री पुरुषोत्तमजी महाराज को उत्सव (१७१४)
१२	शुक्र	21	वामन द्वादशी।
१३	शनि	22	
१४	रवि	23	
१४	सोम	24	
१५	मंगल	25	सांझी को आरम्भ। इष्टिः। श्राद्धपक्ष को आरम्भ ताको निर्णय पृष्ठ ३१ एवं श्राद्धपक्ष को संकल्प पृष्ठ ३२ पर लिख्यो है।

वल्लभाब्द ५४१	आश्विन (गु.भाद्रपद) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७५	
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	बुध	26	
२	गुरु	27	
३	शुक्र	28	
४	शनि	29	
५	रवि	30	श्री हरिराय जी को उत्सव (१६४७)
७	सोम	1	अक्टूबर
८	मंगल	2	श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ट पुत्र श्री गोपीनाथजी के पुत्र श्री पुरुषोत्तमजी को उत्सव (१५८७)।
९	बुध	3	
१०	गुरु	4	
११	शुक्र	5	इन्दिरा एकादशी व्रतम् (महादान)।
१२	शनि	6	श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ट पुत्र श्री गोपीनाथजी को उत्सव (१५६७)
१३	रवि	7	श्री गुसांईजी के तीसरे लाल जी श्री बालकृष्णजी को उत्सव (१६०६)
१४	सोम	8	सर्वपित्रु अमावस, सोमवती अमावस 11 बजके ३४ मिनिट पश्चात्।
३०	मंगल	9	मातामह श्राद्ध। इष्टिः।

वल्लभाब्द ५४१	आश्विन शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७५

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	बुध	10	नवरात्रारम्भः।
३	गुरु	11	
४	शुक्र	12	श्री दामोदरजी (श्री दाऊजी) महाराज को उत्सव (डुहेरा मनोरथ) (१६५४)।
५	शनि	13	
६	रवि	14	
६	सोम	15	सरस्वती पूजनारम्भः।
७	मंगल	16	
८	बुध	17	
९	गुरु	18	दशहरा (विजयादशमी) सरस्वती विसर्जनम्।
१०	शुक्र	19	श्री गिरधरजी के प्रथम लालजी श्री मुरलीधरजी को उत्सव
११	शनि	20	पाशांकुशा एकादशी व्रतम्।
१२	रवि	21	
१३	सोम	22	श्री बालकृष्णजी को पाटोत्सवः।
१४	मंगल	23	
१५	बुध	24	शरद पूर्णिमा (रासोत्सवः)। कार्तिक स्नानारम्भः।

वल्लभाब्द ५४१	कार्तिक (गु. आश्विन) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७५

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	गुरु	25	इष्टिः।
२	शुक्र	26	
३	शनि	27	
४	रवि	28	
५	सोम	29	
६	मंगल	30	
७	बुध	31	
८	गुरु	1	नवम्बर
९	शुक्र	2	
११	शनि	3	
१२	रवि	4	रमा एकादशी व्रतम्।
१३	सोम	5	धनतेरस।
१४	मंगल	6	रूप चतुर्दशी (अभ्यंग)।
३०	बुध	7	दीपोत्सव (दीपावली) हटड़ी (गोकर्ण जागरणम्) कान जगाई।

वल्लभाब्द ५४१	कार्तिक शुक्लपक्षः		विक्रमाब्द २०७५
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	गुरु	8	इष्टिः। अन्नकूटोत्सवः। गोवर्द्धन पूजा। गुर्जराणां २०७३ वर्षारम्भः।
२	शुक्र	9	यम द्वितीया (भाईदूज)।
३	शनि	10	
४	रवि	11	
५	सोम	12	
६	मंगल	13	
७	बुध	14	श्री नवनीत प्रभु को व्रज में पधरावे को विशेष उत्सव। गो. ति. १०८ श्री इन्द्रदमन जी (श्री राकेश जी) महाराज कृत (२०६३)।
७	गुरु	15	
८	शुक्र	16	गोपाष्टमी।
९	शनि	17	अक्षय नवमी। कूत युगादि कूष्माण्ड दानम्।
१०	रवि	18	
११	सोम	19	प्रबोधिनी एकादशी व्रतम् देवोत्थापनं सायं संध्या में।
१२	मंगल	20	श्री गुसांई जी के प्रथम लालजी श्री गिरधरजी को उत्सव (१५९७) तथा पंचमलाल जी श्री रघुनाथजी को उत्सव (१६११)।
१३	बुध	21	
१४	गुरु	22	ति. श्री गोविन्दजी महाराज को उत्सव (१८७६)।
१५	शुक्र	23	चार स्वरूप को उत्सव। नित्य लीलास्थ गोस्वामी तिलकायित श्री १०८ श्री गोविन्दलाल जी महाराज कृत चातुर्मास्य तथा कार्तिक के नियम की समाप्ति। गोपभासारम्भः। इष्टिः।

वल्लभाब्द ५४१	मार्गशीर्ष (गु. कार्तिक) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७५
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शनि	24	व्रतचर्या अथवा गोपभासारम्भ।
३	रवि	25	
४	सोम	26	छः स्वरूप को उत्सव। तिलकायित श्री दाऊजी महाराज कृत।
५	मंगल	27	
६	बुध	28	
७	गुरु	29	गो.ति. १०८ श्री गोविन्दलालजी महाराज को उत्सव (१९८४)
८	शुक्र	30	श्री गुसांई जी के दूसरे लालजी श्री गोविन्दरायजी को उत्सव (१५९९)।
९	शनि	1	दिसम्बर।
१०	रवि	2	घटा को आरम्भ (हरिघटा)।
११	सोम	3	उत्पत्ति एकादशी व्रतम्।
१२	मंगल	4	श्री नवनीत प्रभु कूं व्रज सूं नाथद्वारा निजमंदिर में पधरावे को उत्सव। गो.ति. १०८ श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी) महाराज कृत (२०६३)।
१३	बुध	5	श्री गुसांईजी के सातवे लालजी श्री घनश्यामजी को उत्सव (१६२८)
१४	गुरु	6	
३०	शुक्र	7	श्यामघटा।

वल्लभाब्द ५४१	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः		विक्रमाब्द २०७५
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शनि	8	इष्टिः।
२	रवि	9	दूज को चन्दा।
३	सोम	10	
४	मंगल	11	
५	बुध	12	श्री मदनमोहनजी को पाटोत्सव।
६	गुरु	13	
७	शुक्र	14	श्री गुसांईजी के चतुर्थ लालजी श्री गोकुलनाथजी को उत्सव (१६०८)।
८	शनि	15	सातस्वरूप को उत्सव। श्री गोवर्द्धनेशजी महाराज कृत।
९	रवि	16	श्री गुसांईजी के उत्सव की बधाई (लालघटा) धनुर्मासारम्भः।
९	सोम	17	
१०	मंगल	18	
११	बुध	19	मोक्षदा एकादशी व्रतम्।
१३	गुरु	20	
१४	शुक्र	21	
१५	शनि	22	छप्पन भोग बलदेवजी को उत्सव कितनेक माने है। गोपमास की समाप्ति।

वल्लभाब्द ५४१	पौष (गु. मार्गशीर्ष) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७५
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	23	इष्टिः। नित्य लीलास्थ गोस्वामि तिलक श्री १०८ श्री दाऊजी (श्री राजीवजी) महाराज को उत्सव (२००५)।
२	सोम	24	
३	मंगल	25	
४	बुध	26	
५	गुरु	27	
७	शुक्र	28	श्री गुसांईजी के ज्येष्ठ पौत्र श्री गोविन्दजी के पुत्र श्री कल्याणरायजी को उत्सव (१६२५)।
८	शनि	29	
९	रवि	30	श्री मत्प्रभुचरण श्री विट्ठलनाथजी को उत्सव (१५७२)।
१०	सोम	31	
११	मंगल	1	जनवरी सन् २०१९ को प्रारम्भ। सफला एकादशी व्रतम्। फल अवश्य भोग धरनो, फलन के दान अवश्य करनो। तिलकायित श्री गोविन्दजी महाराज को उत्सव (१७६९)।
१२	बुध	2	
१३	गुरु	3	
१४	शुक्र	4	
३०	शनि	5	गोस्वामि तिलक श्री १०८ श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी) महाराज के पुत्र चि.गो.श्री भूपेशकुमारजी (श्री विशाल बाबा) को जन्मदिन (२०३७)।

वल्लभाब्द ५४१	पौष शुक्लपक्षः		विक्रमाब्द २०७५
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	6	इष्टिः।
१	सोम	7	
२	मंगल	8	
३	बुध	9	
४	गुरु	10	
५	शुक्र	11	
६	शनि	12	नित्य लीलास्थ गो. श्री १०८ श्री दामोदरलाल जी महाराज को उत्सव (१९५३)।
७	रवि	13	
८	सोम	14	भोगी, धनुर्मास की समाप्ति।
९	मंगल	15	मकर संक्रान्तिः। तिलवा गोपीवल्लभ में अथवा राजभोग में ता पीछे दान श्राद्धादि करने। अबके यह संक्रान्ति ८ सोम कूं रात्रि के ७ बजके ५३ मिनिट पर बैठे है तासूं पुण्यकाल आज सूर्योदय से लेके दिन के ३ बजके २३ मिनिट पर्यन्त है। तामे भी सूर्योदय के पास के २ घण्टा अति मुख्य पुण्यकाल है। उत्तरायण।
१०	बुध	16	
११	गुरु	17	पुत्रदा एकादशी व्रतम्।
१२	शुक्र	18	
१३	शनि	19	
१४	रवि	20	
१५	सोम	21	माघ स्नानारम्भः इष्टिः।

वल्लभाब्द ५४१	माघ (गु. पौष) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७५
तिथि	वार	दि.	उत्सव
२	मंगल	22	
३	बुध	23	
४	गुरु	24	
५	शुक्र	25	
६	शनि	26	
७	रवि	27	पीली घटा।
८	सोम	28	बड़े दामोदरजी (श्री दाऊजी) महाराज को उत्सव (१७११)।
९	मंगल	29	
१०	बुध	30	
११	गुरु	31	षट्तिला एकादशी व्रतम्। तिल की वस्तु अवश्य भोग धरनो। तिल के दान भक्षणादि करने।
१२	शुक्र	1	फरवरी
१३	शनि	2	
१४	रवि	3	
३०	सोम	4	सोमवती अमावस।

वल्लभाब्द ५४१	माघ शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७५

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	मंगल	5	
२	बुध	6	
२	गुरु	7	
३	शुक्र	8	
४	शनि	9	श्री मुकुन्दरायजी को पाटोत्सवः।
५	रवि	10	बसन्त पंचमी।
६	सोम	11	
७	मंगल	12	
८	बुध	13	
९	गुरु	14	
१०	शुक्र	15	
११	शनि	16	जया एकादशी व्रतम्।
१२	रवि	17	
१४	सोम	18	
१५	मंगल	19	माघ स्नान की समाप्ति। होरी डांडो दण्डारोपण, आज सूर्यास्त के पीछे सायं ६ बजके ३० मिनिट पश्चात् याही समय धमार की आरम्भ, रोपणी को उत्सव।

वल्लभाब्द ५४१	फाल्गुन (गु. माघ) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७५

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	बुध	20	इष्टिः।
२	गुरु	21	
३	शुक्र	22	
४	शनि	23	
६	रवि	24	
७	सोम	25	श्रीनाथजी को पाटोत्सवः।
८	मंगल	26	
९	बुध	27	
१०	गुरु	28	
१०	शुक्र	1	मार्च।
११	शनि	2	विजया एकादशी व्रतम्।
१२	रवि	3	
१३	सोम	4	
१४	मंगल	5	
३०	बुध	6	

वल्लभाब्द ५४१	फाल्गुन शुक्लपक्षः		विक्रमाब्द २०७५
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	गुरु	7	इष्टिः।
२	शुक्र	8	
३	शनि	9	
४	रवि	10	
५	सोम	11	
६	मंगल	12	
७	बुध	13	श्री मथुरेशजी को पाटोत्सवः। **श्री गोस्वामी तिलकायित १०८ श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी) महाराज** को जन्मदिन (२००६)
८	गुरु	14	होलिकाष्टकारम्भः।
९	शुक्र	15	
१०	शनि	16	
११	रवि	17	आमलकी (कुंज) एकादशी व्रतम्।
१२	सोम	18	
१३	मंगल	19	
१४	बुध	20	होली होलिका प्रदीपनं १५ गुरु के सूर्योदय सूं पूर्व।
१५	गुरु	21	धूलिवन्दन (धुरेण्डी) दोलोत्सव (डोल)। इष्टिः।

वल्लभाब्द ५४१	चैत्र (गु. फाल्गुन) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७५
तिथि	वार	दि.	उत्सव
२	शुक्र	22	द्वितीया पाट।
३	शनि	23	
४	रवि	24	
५	सोम	25	
६	मंगल	26	
७	बुध	27	
८	गुरु	28	
९	शुक्र	29	
१०	शनि	30	
११	रवि	31	
१२	सोम	1	अप्रेल। पापमोचिनी एकादशी व्रतम्।
१२	मंगल	2	
१३	बुध	3	
१४	गुरु	4	
३०	शुक्र	5	वर्षे हर्षः प्रकर्षःस्यात्।